शिक्षा संकाय
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
वाराणसी

शिक्षाशास्त्र विभाग

नियमावली एवं पाठ्यक्रम
एम0एड0
(सेमेस्टर पाठ्यक्रम हिन्दी में)

सत्र
2013 – 14

एम0एड0 पाठ्यक्रम एवं नियमावली

1. एम. एड. पाठ्यक्रम में कुल आठ प्रश्नपत्र होंगे। यह पाठ्यक्रम एक सत्र (दो सेमेस्टर) में पूर्ण किये जायेंगे। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र में 36 प्रतिशत तथा कुल 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। द्वितीय श्रेणी के लिए 48 प्रतिशत से अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम अंक तथा प्रथम श्रेणी के लिए 60 प्रतिशत अथवा 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने होंगे।

2. प्रश्नपत्रों का विवरण इस प्रकार है–

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र	: शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार	100
द्वितीय प्रश्नपत्र	: शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी	100
तृतीय प्रश्नपत्र	: शिक्षण व्यवहार की तकनालॉजी	50
चतुर्थ प्रश्नपत्र	: प्रयोगात्मक कार्य इकाई परीक्षण एवं मौखिकी	50

प्रयोगात्मक कार्य –

1. विद्यालय में बी0एड0 विद्यार्थियों के 10 शिक्षण अभ्यास पाठ का पर्यवेक्षण। 10
2. किसी एक शिक्षण की व्यवस्थित प्रेक्षण विधि यथा FIACS, RCS , एवं ETCS का प्रयोग करते हुए कम से कम 10 आधात्री (मैट्रिक्स) निर्मित करना। 10
3. इकाई परीक्षण एवं मौखिकी। 30

प्रयोगात्मक कार्य का मूल्यांकन एवं मौखिकी आन्तरिक एवं वाह्य परीक्षक करेंगे।

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र :	शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार	100
षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र :	निम्नलिखित में से कोई दो प्रश्नपत्रों का चयन करना होगा–	
	क. तुलनात्मक शिक्षा	100
	ख. शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श	100
	ग. शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन	100
	घ. विशिष्ट बालकों की शिक्षा	100
	च. दूरस्थ शिक्षा	100
	छ. अभिक्रमित अधिगम की तकनालॉजी	100
	ज. कम्प्यूटर सह–अधिगम एवं शिक्षण	100
	झ. मूल्य एवं शान्ति शिक्षा	100
अष्टम प्रश्नपत्र	लघुशोध प्रबन्ध एवं मौखिकी	100

3. इन सभी पाठ्यक्रमों को विभागाध्यक्ष अपने विभाग में उपलब्ध सुविधानुसार नियमित रूप से प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के लिए लागू कर सकते हैं।

4. एम0एड0 में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा अथवा शासनादेश के अनुसार योग्यतांक के आधार पर किया जायेगा।

5. एम0एड0 की परीक्षा एक सत्र (दो सेमेस्टर) में पूरी की जायेगी।

6. विभागाध्यक्ष अपनी विभागीय समिति की सहायता से एम0एड0 के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा में सम्मिलित होने की अर्हता सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक विद्यार्थी को इस हेतु अर्हता अर्जित करने के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति पूरी करनी होगी। पाठ्यक्रम के लिए अपेक्षित गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए कुलपति द्वारा समय–समय पर विभागाध्यक्ष के संयोजकत्व में एक समिति गठित की जाएगी। जिसकी संस्तुतियों को समय–समय पर लागू किया जायेगा।

7. लघुशोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं मौखिकी आन्तरिक व वाह्य परीक्षक करेंगे। मौखिकी परीक्षा लघु शोध प्रबन्ध पर आधारित होगी।

8. लघुशोध प्रबन्ध प्रथम सेमेस्टर के मध्य से शुरू हो जायेगा।

एम0एड0 प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र
शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार

उद्देश्य: इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1. दर्शन एवं शिक्षा के मध्य सम्बन्ध एवं शैक्षिक दर्शन के महत्व को समझ सकेंगे।
2. पाश्चात्य दर्शन की विभिन्न शाखाओं के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
3. भारतीय दर्शन और पाश्चात्य दर्शन की विभिन्न शाखाओं की व्याख्या कर सकेंगे।
4. शिक्षा की आधुनिक प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
5. सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।
6. शिक्षा के अर्थशास्त्र का विश्लेषण कर सकेंगे।

खण्ड I
शिक्षा का दार्शनिक आधार

इकाई 1 अ. शिक्षा और दर्शन में सम्बन्ध, शैक्षिक दर्शन का महत्व, विभिन्न राजनैतिक व्यवस्थाओं में शिक्षा का अर्थ एवं उद्देश्य, पाश्चात्य दर्शन की शाखाएं–विचारवाद, प्रकृतिवाद, यथार्थवाद, प्रयोगवाद एवं अस्तित्ववाद– शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियां एवं अनुशासन।

ब. भारतीय दर्शन की शाखाएं: सांख्य, वेदान्त एवं बौद्ध– आधारभूत सिद्धान्त एवं शैक्षिक निहितार्थ। आधुनिक भारतीय शिक्षा दार्शनिक: गांधी, टैगोर, श्री अरविन्द एवं स्वामी विवेकानन्द – प्रतिपादित सिद्धान्त एवं प्रयोग।

इकाई 2 अ. भारतीय संविधान में निहित राष्ट्रीय मूल्य, शिक्षा एवं मानवाधिकार।

ब. शिक्षा में आधुनिक प्रवृत्तियॉ एवं शैक्षिक नवाचार।

खण्ड II
शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार

इकाई 3 अ. समाजशास्त्र का अर्थ एवं क्षेत्र ; समाजशास्त्र एवं शिक्षाशास्त्र में सम्बन्ध, शिक्षा का समाजशास्त्र – प्राचीन एवं नवीन अवधारणा : अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति एवं महत्व। समाजशास्त्रीय उपागम एवं शिक्षा, समाजीकरण की अवधारणा। शिक्षा–परिवार एवं समुदाय, भारतीय समाज के परिप्रेक्ष्य में।

ब. सामाजिक व्यवस्था एवं शिक्षा :
शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन : सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, परिवर्तन के निर्धारक तत्व, शिक्षा की भूमिका, सामाजिक नियत्रण एवं शिक्षा, सामाजिक गतिशीलता – अर्थ, प्रकार, शिक्षा से सम्बन्ध एवं महत्व।

इकाई 4 अ. शिक्षा के संदर्भ में परम्परा एवं आधुनिकता की अवधारणा : आधुनिकीकरण एवं शिक्षा – अर्थ एवं महत्व।
शिक्षा धर्म एवं संस्कृति : अवधारणा सम्बन्ध एवं महत्व।
शिक्षा एवं राजनीति : लोकतंत्र–अर्थ, उद्देश्य एवं विकास में शिक्षा की भूमिका।
शैक्षिक अवसरों की समानता : समप्रत्यय, अवसरों के निर्धारक तत्व, सरकारी स्तर पर प्रयास, भविष्य के लिए शिक्षा।

ब. शिक्षा का अर्थशास्त्र : समप्रत्यय एवं विकास ,शिक्षा एवं आर्थिक विकास, पूँजी निवेश के रुप में शिक्षा की अवधारणा।

शिक्षा एवं देश की मानवीय शक्ति से सम्बधित आवश्यकता।

शैक्षिक नियोजन – अर्थ , प्रकार , आवश्यकता।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 इलिच इवान : डी स्कूलिंग सोसाइटी, 1973.

2 पाण्डेय के0 पी0 : परस्पेक्टिब्ज इन सोशल फाउन्डेशन आफ एजुकेशन, अमिताभ प्रकाशन, दिल्ली, 1988.

3 पाण्डेय के0 पी0 : नवीन शिक्षा दर्शन, अमिताभ प्रकाशन, दिल्ली, 1988.

4 पाण्डेय रामसकल : शिक्षा दर्शन , विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1983.

5 बेकर, जान एल मार्डन : फिलासफीज आफ एजुकेशन ,टाटा मेग्राहिल, 1980.

6 मारिल एल : पाजिटिव रिलेटिवीज्मः एन इमरजेन्ट एजुकेशन फिलासफी विग्गी, हारपर रो, 1971.

7 तनेजा, बी. आर : सोशियो–फिलासफीकल एप्रोच टू एजुकेशन, एटलांटिकपब्लि, दिल्ली, 1979.

नेलर, जार्ज एफ : इन्ट्रोडक्शन टू फिलासफी आफ एजुकेशन, जान विली एण्ड सन्स, 1971.

8 सिंह बलजीत : एजुकेशन ऐन इनवेस्टमेन्ट , मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ,1984.

9 वर्मा : फिलासफी आफ इण्डियन एजुकेशन, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, 1989.

एम0एड0 प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र
शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 शैक्षिक अनुसंधान का अर्थ, तथा भारतीय संदर्भ में शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्रों को समझ सकेंगे।

2 अनुसंधान के विविध स्वरूपों (मौलिक, व्यवहृत एवं क्रियात्मक) में अन्तर कर सकेंगे।

3 शैक्षिक अनुसंधान में विधियों को जान सकेंगे ।

4 शैक्षिक अनुसंधान की प्रक्रिया को समझ सकेंगे ।

5 शैक्षिक शोध में साक्ष्य संग्रह हेतु प्रयुक्त उपकरणों का प्रयोग कर सकेंगे।

6 प्रस्तावित शोध की रूपरेखा एवं शोध प्रतिवेदन के प्रारूप लेखन की विधि को जान सकेंगे।

7 आकडों के विश्लेषण एवं व्याख्या के लिये साख्यिकीय विधियों का प्रयोग कर सकेंगे ।

(खण्ड अ)

इकाई 1. (अ) शैक्षिक अनुसंधान से तात्पर्य, क्षेत्र, शैक्षिक अनुसंधान के विविध स्वरूप– मौलिक, व्यवहृत एवं क्रियात्मक अनुसंधान– तीनों के उद्देश्य, समस्या की प्रकृति, विधि एवं शोध परिणामों के उपयोग की दृष्टि से विभेद।

(ब) शैक्षिक अनुसंधान की विधियां– ऐतिहासिक , वर्णनात्मक, सर्वेक्षण, प्रयोगात्मक, कार्योत्तर एवं व्यष्टि अध्ययन की प्रणाली, निहित उपक्रम एवं अपेक्षित सावधानियॉ ,गुणात्मक शोध।

(स) शैक्षिक अनुसंधान की प्रक्रिया–

क– समस्या की स्थापना– समस्या का चुनाव, परिभाषीकरण एवं सीमांकन।

ख– परिकल्पना निर्माण– प्रक्रिया, स्रोत एवं अच्छी परिकल्पना की विशेषताएॅ।

ग– परिकल्पना परीक्षण।

घ– सामान्यीकरण एवं निष्कर्ष निरूपण।

इकाई 2. (अ) शैक्षिक शोध में समग्र निर्धारण एवं प्रतिदर्श– प्रतिचयन विधियां, शोध के समग्र से तात्पर्य,

प्रतिदर्श की आवश्यकता, अच्छे प्रतिदर्श की विशेषताएं, प्रतिदर्श प्रतिचयन की सम्भाव्यता एवं असम्भाव्यता पर आधारित विधियां ।

(ब) आधार सामग्री के संकलन हेतु प्रयुक्त शोध उपकरण, शैक्षिक शोध उपकरणों की विशेषताएं, उनकी प्रयोग विधि एवं अपेक्षित सावधानियां, प्रश्नावली, साक्षात्कार, प्रेक्षण, निर्धारण मापनी, परीक्षण, समाजमितिक प्रविधियां, सामान्य परिचय एवं इनके प्रयोग में निहित सावधानियां।

(स)

क – शोध प्रतिवेदन– प्रतिवेदन के प्रारूप लेखन विधि एवं प्रयुक्त विशेष प्रकार के लेखन स्वरूप।

ख – प्रस्तावित शोध के लिए रूपरेखा प्रस्तुत करना– प्रारूप एवं सावधानियां।

(खण्ड ब)

इकाई 3 (अ) केन्द्रवर्ती मान – मध्यमान, मध्यांकमान एवं बहुलांकमान गणना विधि एवं प्रयोग।
विचलनमान – विस्तार, मध्यमान विचलन, प्रमाणिक विचलन एवं चतुर्थांश विचलनः गणना बिधि एवं प्रयोग।
शतांशमान एवं शतांश अनुस्थिति ज्ञात करने की विधि एवं उपयोगिता।

(ब) प्रदत्तों का बिन्दुरेखीय प्रदर्शन।

(स) सहसम्बन्ध – सहसम्बन्ध से तात्पर्य, स्पीयरमैन एवं कार्लपियर्सन की बिधि द्वारा सहसम्बन्ध गुणांक ज्ञात करना एवं परिणामों की व्याख्या, आंशिक सहसम्बन्ध एवं बहुचरीय सहसम्बन्ध।

इकाई 4

(अ) सामान्य सम्भाव्यता वक्र की विशेषताएं एवं प्रयोग विधियां

(ब) अनुमान एवं विभ्रम की सांख्यिकी की विश्वसनीयताः मध्यमान की सार्थकता, दो मध्यमानों के बीच अन्तरों की सार्थकता की जांच करना। सदिश एवं निदिश परीक्षाएं, त्रुटियों के प्रकार। चरता विश्लेषणः अन्तर्निहित मान्यता एवं एकल गणना विधि

(स) काई स्क्वेयर एवं परस्पर निर्भरता गुणांक, गणना एवं प्रयोग विधियां

अध्ययन ग्रन्थ :

1 कार्लिंगर, फ्रेड एन0 : फाउन्डेशन आफ विहेवियरल रिसर्च– सुरजीत पब्लिकेशन, 7 के, कोल्हापुर रोड कमला नगर, दिल्ली 1973
2 कोरी, स्टिफेन एम0 :एक्शन रिसर्च टू इम्प्रूव स्कूल प्रैक्टिसेज, ब्यूरो आफ पब्लिकेशन, टीसर्च कालेज कोलम्बिया, न्यूयार्क 1953
3 कोहन, लुबिस तथा मेनियन, लारेंस : रिसर्च मैथड्स इन एजुकेशन, क्रम हेल्म, लन्दन, 1980
4 गुप्ता, एस0 पी0, सांख्यिकीय विधियाँ, शारदा पुस्तक भवन, 11 यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद, 2002
5 गैरेट, हेनेरी ई0, शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1993
6 टकमैन ब्रूस डब्ल्यू : कन्डक्टिंग एजुकेशनल रिसर्च, हारकोर्ट ब्रूस इनकारपोरेशन, 1978
7 ट्रैवर्स, एम0 डब्ल्यू0 : एन इन्ट्रोडक्शन टु एजुकेशनल रिसर्च, द मैकमिलन कम्पनी, 1961
8 डलेन, बान तथा डेव बाल्ड वी0 वान : अन्डरस्टैण्डिग एजुकेशनल रिसर्च एन इन्ट्रोडक्शन, मेग्राहिल बुक कम्पनी, 1973
9 पाण्डेय, के0 पी0 एवं अमिता : शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
10 पाण्डेय, के0 पी0 : शिक्षा एवं मनोविज्ञान में साख्यिकी : विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2007
11 पाण्डेय, के0 पी0 : शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2006
12 फर्ग्यूसन, जार्ज ए0 : स्टेटिस्टिकल्स एनेलिसिस इन साइकालॉजी एण्ड एजुकेशन, मेग्राहिल बुक कम्पनी, 1981
13 बेस्ट, जॉन डब्ल्यू0 : रिसर्च इन एजुकेशन, प्रेन्टिस हाल इन कारपोरेश, 1980
14 वर्मा, एम0 : एन इन्ट्रोडक्शन टु एजुकेशनल एण्ड साइकोलॉजिकल रिसर्च, एशिया पब्लिशिंग हाउस, 1965
15 शर्मा, आर0ए0 : शिक्षा अनुसंधान, आर0 लाल बुक डिपो मेरठ, 1993

एम0एड0 प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र
शिक्षण व्यवहार की तकनालॉजी

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1. शैक्षिक तकनालाजी के तात्पर्य एवं समकालीन प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
2. शिक्षण अधिगम सम्बन्ध, शिक्षण की अवस्थाओं एवं उनकी संक्रियाओं से परिचित हो सकेंगे।
3. शिक्षण के विभिन्न प्रतिमानों से परिचित हो सकेंगे।
4. अभिक्रमित अनुदेशन एवं उसके विभिन्न प्रकारों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।

इकाई 1 अ. शैक्षिक तकानालॉजी– तात्पर्य, क्षेत्र एवं समकालीन प्रवृत्तियाँ, व्यवहार तकनालॉजी, अनुदेशन तकनालॉजी, शिक्षण तकनालॉजी, अनुदेशनात्मक रूपरेखा– प्रकृति एवं विषय क्षेत्र ।

ब. शिक्षण अधिगम सम्बन्धः शिक्षण की प्रकारता, शिक्षण की अवस्थाएँ एवं उनकी संक्रियाएँ।

स. शिक्षण अधिगम के स्तरः स्मृति स्तर, अवबोध स्तर, विमर्शी स्तर– स्वरूप अर्न्तनिहित सिद्धान्त,

शिक्षण एवं परीक्षण विधि ।

इकाई 2 अ. कौशल, वाचिक ज्ञान, सम्प्रत्यय, नियम एवं समस्या समाधान सम्बन्धी अधिगम के शिक्षण में

निहित सोपान।

ब. शिक्षण के प्रतिमान – सम्प्रत्यय, आवश्यकता एवं आवश्यक तत्व, शिक्षण के प्रतिमानों का वर्गीकरण, शिक्षण के कुछ चुने हुए प्रतिमान – आधारभूत शिक्षण प्रतिमान,

स्कूल अधिगम प्रतिमान, सम्प्रत्यय सम्प्राप्ति प्रतिमान, पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान – अवयव, विशेषताएँ, शिक्षक के लिए निहितार्थ।

इकाई 3 अ. शिक्षण व्यवहार की धारणा, विशेषताएँ एवं स्वरूप, कक्षा व्यवहार के क्रमिक स्वरूप, आब्यूह रचना

एवं युक्तियॉ।

ब. शिक्षण व्यवहार के आशोधन की विधियॉ– सूक्ष्म शिक्षण, अनुरूपित शिक्षण, सम्प्रत्यय एवं अनुप्रयोग।

स. शिक्षण का व्यवस्थित प्रेक्षण– फ्लैन्डर्स की अन्तक्रिया विश्लेषण श्रेणियाँ, पारस्परिक अनुवर्ग विधि

एवं समकक्ष वार्ता श्रेणियाँ।

इकाई 4 अ. सम्प्रेषण एवं शिक्षण : सम्प्रेषण की संरचना, सिद्धान्त, प्रकार, प्रक्रिया एवं सम्प्रेषण के

माध्यमों का वर्गीकरण।

ब. अभिक्रमित अनुदेशन– उत्पत्ति, अवधारणा एवं प्रकारता– रेखीय, शाखीय एवं श्रृंखलित, अभिक्रम का निर्माण, अभिक्रम का लेखन एवं मूल्यांकन, शिक्षण में कम्प्यूटर सहअनुदेशन,

ई–लर्निंग एवं आभाषी कक्षा।

<u>प्रयोगात्मक कार्य</u> :

प्रत्येक अभ्यर्थी को किसी एक शिक्षण प्रतिमान पर आधारित शिक्षण योजना एवं किन्ही एक व्यवस्थित प्रेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए कम से कम 10 आधात्री मैट्रिक्स निर्मित करने होंगे।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 अग्रवाल, जे0 सी0 : एसेन्सियल्स आफ एजुकेशनल टेक्नालॉजीः टीचिंग लर्निंग एनोवेशन इन एजुकेशन, विकास पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली.

2 कुलश्रेष्ठ, एस0पी0 : शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 2005.

3 ज्वायस, ब्रूस एवं वील, मार्शा : माडल्स आफ टीचिंग, सोसाइटी फार एजुकेशनल रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट, बरौदा 1991.

4 डिसीको, जॉन पी0 : एजुकेशनल टेक्नालॉजीः रीडिंग प्रोग्राम्ड इन्स्ट्रक्शन, लन्दन, हान्ट रिनेहार्ट एण्ड विन्स्टोन, 1988.

5 दास आर0 सी0 : एजुकेशनल टेक्नालॉजी, वेसिक टेक्स्ट.

6 पासी, बी0 के0 : बिकमिंग बेटर टीचर ; ए माइक्रो टीचिंग एप्रेाच, साहित्य मुद्रण, अहमदाबाद, 1975.

7 पाण्डेय, सरला एवं उपाध्याय, आर0 : शैक्षिक तकनालॉजी के आयाम, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2001.

8 पाण्डेय के0 पी0 : मार्डन कान्सेप्ट फार टीचिंग विहेवियर, अनामिका पब्लिशर प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, 1997.

9 पाण्डेय, के0 पी0 : शिक्षण अधिगम की तकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011.

10 शर्मा, आर0 ए0 : शैक्षिक तकनीकी, लायल बुक डिपो, मेरठ 1990.

11 मित्तल, संन्तोष : शैक्षिक तकनीकी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1995.

12 सम्पत, के0 तथा अन्य : इन्सट्रक्शन टू एजुकेशनल टेक्नालॉजी, नयी दिल्ली, स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 1988.

13 सिंह, त्रिभुवन एवं सिंह, प्रभाकर : शिक्षण अभ्यास के सोपान, भारत भारती प्रकाशन, जौनपुर 1984.

14 सिंह, एल0सी0 एवं शर्मा आर0डी0 : माइक्रो टीचिंग, थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस नेशनल साइकोलाजिकल कारपोरेशन, आगरा, 1991.

15 स्किनर बी. एफ. दी टेक्नालॉजी आफ टीचिंग, मेरेडिथ कारपोरेशन न्यूयार्क, 1968.

16 ब्राउडी, एल0 माडल्स आफ टीचिंग, प्रेन्टिस हाल ऑफ आस्ट्रेलिया, आस्ट्रेलिया, 1972.

एम0एड0 प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र
प्रयोगात्मक कार्य इकाई परीक्षण एवं मौखिकी

प्रयोगात्मक कार्य –

1. विद्यालय में बी0एड0 विद्यार्थियों के 10 शिक्षण अभ्यास पाठ का पर्यवेक्षण।
2. किसी एक शिक्षण की व्यवस्थित प्रेक्षण विधि यथा FIACS, RCS , एवं ETCS का प्रयोग करते हुए कम से कम 10 आधात्री (मैट्रिक्स) निर्मित करना।
3. इकाई परीक्षण एवं मौखिकी ।

नोट : प्रयोगात्मक कार्य का मूल्यांकन एवं मौखिकी आंतरिक एवं वाह्य परीक्षक करेंगे।

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र

शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 शिक्षा मनोविज्ञान के अर्थ विषय क्षेत्र इसकी भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा एवं शिक्षक के लिए इसकी प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।

2 अधिगम के विभिन्न सिद्धान्तों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।

3 विकास की विभिन्न अवस्थाओं मे होने वाले परिवर्तनों एवं विकास सम्बन्धी विभिन्न सिद्वान्तों से परिचित हों सकेंगे ।

4 अभिप्रेरणा एवं समंजन के सम्प्रत्ययों एवं उनके शैक्षिक निहितार्थ कों समझ सकेंगे।

5 व्यक्तित्व के सम्प्रत्यय एवं उसके विभिन्न सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।

6 बुद्धि की अवधारणा उसके विभिन्न सिद्धान्तों एवं सांवेगिक बुद्धि को जान सकेंगे।

7 विशिष्ट बालकों की पहचान एवं शिक्षा व्यवस्था एवं समेकित शिक्षा के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 अ. शिक्षा मनोविज्ञान : अर्थ, विषय क्षेत्र, भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा, शिक्षक की दृष्टि से शिक्षा मनोविज्ञान की प्रासंगिकता।

ब. विकास : अर्थ, विकास एवं वृद्वि में अन्तर, संज्ञानात्मक, सामाजिक एंव संवेगात्मक विकासः मुख्य विशेषताएँ, एवं शैक्षिक निहितार्थ, विकास की भारतीय अवधारणा (संस्कारों के विशेष संदर्भ में)।

स. अधिगम : अर्थ, गैने का अधिगम पदानुक्रम, अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक, अधिगम का अन्तरण : अर्थ, सिद्धान्त एवं उसके शैक्षिक निहितार्थ ।

इकाई 2 अ. अधिगम का साहचर्यात्मक सिद्धान्त : हल्ल का आवश्यकता ह्रासन का सिद्धान्त, प्रमुख बिन्दु एवं शैक्षिक निहितार्थ ।

ब. अधिगम का संज्ञानात्मक सिद्धान्त : गेस्टाल्टवादी एवं टॉलमैन का सिद्धान्त प्रमुख बिन्दु एवं शैक्षिक निहितार्थ ।

इकाई 3 अ. अभिप्रेरणा : सम्प्रत्यय, भारतीय अवधारणा : पुरूषार्थ चतुष्टय (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) एवं शैक्षिक निहितार्थ ।

ब. समंजन : अर्थ, प्रक्रिया, समंजन के प्रतिमान, मानसिक द्वन्द्व तथा प्रतिरक्षा क्रियाविधि,सुसंमजित व्यक्ति की विशेषताएँ । मानसिक स्वास्थ्य एवं आरोग्य : अर्थ, प्रमुख बिन्दु एवं शैक्षिक निहितार्थ

स. विशिष्ट बालकः शैक्षिक दृष्टि से पिछडे, प्रतिभाशाली तथा मंदितमना बालक – पहचान एवं शिक्षा व्यवस्था। समावेशी शिक्षा – अर्थ प्रमुख बिन्दु एवं शैक्षिक निहितार्थ । सृजनात्मकता : अर्थ प्रक्रिया पहचान एवं संवर्धन ,समस्या समाधान : स्वरुप प्रक्रिया एवं शैक्षिक निहितार्थ

इकाई 4अ. व्यक्तित्व : अर्थ, पंचकोशीय विकास, सत्, रज, तम गुण प्रधान व्यक्तित्व एवं उसका शैक्षिक निहितार्थ, व्यक्तित्व की भारतीय अवधारणा ।

व्यक्तित्व की पाश्चात्य अवधारणा एवं सिद्धान्त, विशेषक सिद्धान्त – आलपोर्ट एवं आइसेन्क मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त – फ्रायड एवं एरिकसन मानवतावादी सिद्धान्त – मासलौ एवं रोजर्स व्यक्तित्व का मापन ।

ब. बुद्धि : अर्थ, भारतीय (अंतःकरण चतुष्टय) एवं पाश्चात्य अवधारणा , प्रमुख बिन्दु, बुद्धि के कतिपय सिद्धान्त : गिलफर्ड एवं गार्डनर की बुद्धि की अवधारणा : प्रमुख बिन्दु एवं शैक्षिक निहितार्थ। सांवेगिक बुद्धि : अर्थ, प्रमुख बिन्दु एवं शैक्षिक निहितार्थ। वैयक्तिक भिन्नता : अर्थ, प्रकार एवं शैक्षिक निहितार्थ। प्रत्यय निर्माण : अर्थ , प्रक्रिया एवं शैक्षिक निहितार्थ।

स. समूह गत्यात्मकता : अर्थः समूह प्रक्रिया, कक्षा के वातावरण को अधिगमोन्मुख बनाने में शिक्षक की भूमिका ।

प्रायोगिक कार्य

1 शिक्षा मनोविज्ञान के किसी भी सम्प्रत्यय पर प्राचीन भारतीय ग्रन्थों से संकलन एवं प्रतिवेदन
प्रस्तुतीकरण ।

2 व्यक्तित्व, अधिगम , बुद्धि मे से किसी एक सम्प्रत्यय पर प्रस्तुत नवीन सिद्धान्त का आलोचनात्मक विश्लेषण एवं प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण ।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 किक्र, एस0 एवं गैलाघर : जे0 एडुकेटिंग एक्सेपशनल चिल्ड्रेन (6 वाँ संस्करण) बोस्टन हाउस, मिफिन, 1989।

2 कुण्डु, सी0एल0 : एजुकेशनल साइकालाजी, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, 1983।

3 कोल्हबर्ग, एल0 : फिलासाफी आफ मारल डेवलपमेण्ट, न्यूयाक्र : हारपर एवं रो, 1981।

4 गुप्ता, एस0 पी0 एवं गुप्ता, ए0 : उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद, 2004

5 पाण्डेय, कल्पलता एवं श्रीवास्तव एस0एस0: शिक्षा मनोविज्ञान भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा, टाटा मैक्ग्रा हिल, नई दिल्ली, 2007।

6 पाण्डेय, के0पी0 : नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2007।

7 पाण्डेय, रामशकल : प्राचीन भारत के शिक्षा मनीषी, शारदा पुस्तक भवन, यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद।

8 मिश्रा, के0एस0 : इमोशनल इन्टेलिजेन्स, कान्सेप्ट, मेजरमेन्ट एण्ड रिसर्च, एसोसिएशन फॉर एजुकेशन स्टडीज, इलाहाबाद।

9 तोमर, एल0 : भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान के आधार, विद्या भारती प्रकाशन, कुरूक्षेत्र।

10 दत्त, एन0के0 : द साइकोलाजिकल फाउन्डेशन आफ एजुकेशन, दोआबा हाउस, दिल्ली, 1974।

11 शर्मा, आर0 एवं शर्मा, आर0: भारतीय मनोविज्ञान, अटलाण्टिक पब्लिशर एवं डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली, 1962।

12 हरलॉक, ई0 : साइकोलोजिकल डेवलपमेन्ट– ए लाइफस्पेन एप्रोच, मैग्रा हिल, नई दिल्ली, सम्पादन, 1983।

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र
तुलनात्मक शिक्षा

उद्देश्यः इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी –

1. विश्व स्तर पर शिक्षा के क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विभिन्न देशों की भौगोलिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक एवं शैक्षिक परिस्थितियों को समझ सकेंगे।
3. विकसित राष्ट्रों के विकास के मूल में शिक्षा की अनिवार्यता को समझ सकेंगे।
4. विकासशील एवं विकसित राष्ट्रों की विभिन्न शैक्षिक समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।
5. विभिन्न देशों की शिक्षा व्यवस्थाओं का समीक्षात्मक अध्ययन कर अपने कौशल एवं चिंतन में परिवर्तन कर सकेंगे।
6. ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस तथा भारत के शैक्षिक परिस्थितियों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई 1 अ – तुलनात्मक शिक्षा : अर्थ, क्षेत्र, विकास, उद्देश्य एवं अध्ययन विधियां।
ब – तुलनात्मक शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारक।
राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के विकास में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

इकाई 2 अ – भारत तथा ब्रिटेन में शिक्षा का स्वरुप, संरचना एवं संगठन।
ब – भारत तथा ब्रिटेन के प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा की शैक्षिक संरचना का स्वरुप एवं समस्यायें।
स – ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस तथा भारत की शिक्षा–स्वरुप, संगठन एवं उसकी समस्यायें।

इकाई 3 अ – ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस तथा भारत की शैक्षिक संरचना एवं कार्यपद्धति।
ब – तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा का भारत के लिए निहितार्थ।

इकाई 4 अ – भारत, फ्रांस व अमेरिका में शैक्षिक स्वायत्तता।
ब – अमेरिका, ब्रिटेन व भारत में दूरस्थ शिक्षा एवं भारत के लिए निहितार्थ।

अध्ययन ग्रन्थः

1. एरिक, एश. बी0 : यूनिवर्सिटीज, ब्रिटिश, अफ्रीकन एण्ड जापानीज।
2. केन्डल : न्यू इरा इन एजुकेशन।
3. क्रेमर तथा क्राउन : नेशनल सिस्टम आफ एजुकेशनल।
4. डेन्ट, एच0 सी0 : एजुकेशन इन ग्रेट ब्रिटेन।
5. न्यू एजुकेशन पालिसी – प्रोग्राम आफ एक्शन ; 1986।
6. पाण्डेय, के0 पी0 : कम्परेटिव एजुकेशन ।
7. पाण्डेय, के0 पी0 तुलनात्मक शिक्षा, अमिताश प्रकाशन, मेरठ।
8. भारतीय शिक्षा आयोग ;1964–1966.
9. मुखर्जी एन.एन. : एजुकेशन इन इण्डियाः टुडे एण्ड टुमारो।

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र
शिक्षा में निर्देशन तथा परामर्श

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 अपने दैनिक जीवन में निर्देशन के महत्व एवं उपयोग को समझ सकेंगे ।
2 निर्देशन के सिद्धान्त अन्तर्निहित मान्यताएँ आधुनिक प्रवृत्तियाँ एवं समस्याओं को जान सकेंगे।
3 निर्देशन तथा परामर्श के विभिन्न प्रकारों को समझ सकेंगे।
4 निर्देशन तथा परामर्श की विभिन्न तकनीकी एवं उपागमों का समस्या समाधान में प्रयोग कर सकेंगे।
5 निर्देशन के विभिन्न सेवाओं से परिचित हो सकेंगे।
6 निर्देशन तथा परामर्श के विभिन्न उपकरणों एवं प्रविधियों को समझ सकेंगे।

इकाई 1 अ. निर्देशन –अर्थ , आवश्यकता, क्षेत्र, आधारभूत मान्यताएँ एवं सिद्धान्त, प्रकृति एवं आधुनिक प्रवृत्तियाँ।

ब. भारत में निर्देशन आन्दोलन का इतिहास, विभिन्न शिक्षा आयोगों में निर्देशन से सम्बन्धित संस्तुतियाँ।

स. भारतीय सन्दर्भ में निर्देशन की वर्तमान स्थिति व समस्याएँ।

इकाई 2 अ. निर्देशन के प्रकार– शैक्षिक, व्यावसायिक, व्यक्तिगत – उद्देश्य, अन्तर एवं प्रयुक्त प्रविधियॉ।

ब. विद्यालयों में निर्देशन कार्यक्रमों का संगठन एवं प्रशासन।

इकाई 3 अ. – शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर निर्देशन सेवाएँ
– निर्देशन सेवाओं के प्रकार
1. सूचना सेवा
2. व्यक्तिगत–सूचना संग्रह
3. व्यावसायिक सूचनाः स्रोत, संग्रह व प्रसारण
4. परामर्श सेवा
5. स्थानापन सेवा
6. अनुवर्तन सेवा
7. शोध सेवाएँ
8. उपक्रम सेवा

ब. परामर्श : अर्थ, सिद्धान्त, सोपान एवं प्रविधियाँ परामर्श की प्रक्रिया तथा अच्छे परामर्शक की विशेषतायें।

इकाई 4 अ. निर्देशन की विधियाँ एवं उपकरण, निर्देशन में मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मूल्यांकन।

ब. निर्देशन कार्यक्रम का मूल्यांकन– मूल्यांकन की विभिन्न प्रविधियाँ एवं उपयोगिता।

प्रयोगात्मक कार्य

– निर्देशन हेतु 5 छात्रों की समस्याओं के निदान हेतु व्यष्टि अध्ययन के आधार पर उपवोधन सत्र चलाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

– किन्हीं 2 मूल्यांकन उपकरणों का निर्देशन हेतु अनुप्रयोग करना तथा उसका प्रतिवेदन तैयार करना।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 अग्रवाल, जे0सी0 : एजूकेशनल वोकेशनल गाइडेन्स एण्ड काउन्सिलिंग, दिल्ली दोआवा हाउस, 1989.

2 कोचर, एस0 के0 : गाइडेन्स एण्ड काउन्सेलिंग इन कॉलेज एण्ड यूनिवर्सिटी, स्टर्लिंग पब्लिशर प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2006.

3 गुप्ता, मन्जू : इफेक्टिव गाइडेन्स एण्ड काउन्सेलिंग मार्डन मेथड एण्ड टेक्निक्स, मंगल दीप पब्लिकेशन, जयपुर, 2003.

4 जायसवाल, सीताराम : शिक्षा में निर्देशन और परामर्श, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1987.

5 जोन्स आर्थर जे0 : प्रिंसिपल्स ऑफ गाइडेन्स, मैकग्राहिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क, लन्दन, 1963.

6 पाण्डेय, के0पी0 एवं भारद्वाज, अमिता : शैक्षिक तथा व्यावसायिक निर्देशन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 2003.

7 मायर्स, जार्ज ई. : प्रिंसिपल्स एण्ड टेक्निक्स ऑफ वोकेशनल गाइडेन्स, मैकग्राहिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क, लन्दन, 1971.

8 शर्मा, आर0 ए0 वं चतुर्वेदी शिखा : निर्देशन एवं परामर्श के मूल तत्व, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ, 2003.

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र

शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 शिक्षा में प्रबन्धन के विभिन्न उपागमों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
2 शैक्षिक प्रबन्ध के कार्यो को समझ सकेंगे।
3 विद्यालय के संगठनात्मक वातावरण के सम्प्रत्यय की व्याख्या कर सकेंगे ।
4 शैक्षिक वित्त एवं वित्तीय प्रशासन की अवधारणा को समझ सकेंगें ।
5 शैक्षिक प्रशासन की संरचना के विभिन्न स्तरों के मध्य अंतर कर सकेंगें ।
6 शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन के क्षेत्र में किये जा रहे शोधों की समीक्षा कर सकेंगे।

इकाई 1 अ. शिक्षा में प्रबन्धन एवं प्रशासन के सिद्वान्तों का विकास ; संगठन , प्रबन्ध एवं प्रशासन की अवधारणा एवं उसमें परस्पर सम्बन्ध ;शिक्षा में प्रबन्ध के विभिन्न उपागम।

ब. प्रबन्ध एवं प्रशासन के मुख्य कार्य एवं प्रक्रियाएँ : नियोजन, संगठन ,नेतृत्व, नियंत्रण, मूल्यांकन।

इकाई 2 अ. शैक्षिक प्रबन्धक की भूमिकाएँ एवं कार्य : शैक्षिक नेतृत्व (संगठनात्मक सीमाएं नेतृत्व एवं प्रशासन) नेतृत्व शैली : मानवीय गुणों के उद्देश्यपूर्ण विकास हेतु अधिगम एवं अनुदेशन ।

ब. पर्यावरण एवं विद्यालय : संगठनात्मक वातावरण – संप्रत्यय एवं मापन ।

इकाई 3 अ. केन्द्रीय एवं राज्य स्तर पर शैक्षिक प्रशासन : संरचना, उच्च शिक्षा में शैक्षिक प्रशासन के मुद्दे एवं समस्याएँ ।

ब. शैक्षिक निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण : सम्प्रत्यय, क्षेत्र, सिद्वान्त एवं समस्याएँ ।

इकाई 4 अ. भारत में शैक्षिक वित्त एवं वित्तीय प्रशासन की अवधारणा का विकासः संक्षिप्त परिचय , बजट एवं उसके प्रकार।

ब. शैक्षिक प्रबन्ध एवं प्रशासन के क्षेत्र में किये जा रहे शोध।

प्रयोगात्मक कार्यः

1. संगठनात्मक वातावरण से सम्बन्धित प्रश्नावली का प्रयोग।
2. किसी प्रदत्त शैक्षिक संस्था का व्यष्टि अध्ययन ।
3. विद्यालय बजट का अध्ययन एवं निर्माण।
4. शैक्षिक प्रबन्धन में प्रणाली उपागम के प्रयोग से संबंधित प्रदत्त कार्य।
5. शैक्षिक प्रबन्ध एवं प्रशासन के प्रदत्त, संदर्भ पुस्तक का पुनरावलोकन।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 ओड़, एल0 के0 : शैक्षिक प्रशासन, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर, (1992)
2 गुप्ता, एल0 डी0 : एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, आक्सफर्ाड एवं आइ.बी.एच.(1987)
3 गोयल, एस0 एल0 : मैनेजमेन्ट इन एजुकेशन, ए0 पी0 एच0 पब्लिशर्स कारपोरेशन, नई दिल्ली, (2005)
4 चतुर्वेदी, आर0 एन0 : दि एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ हायार एजुकेशन इन इंडिया प्रिंटवेल पब्लिशर्स, जयपुर, (1989)
5 निस्ट्रैड, आर0 ओ एवं अन्य, एलिन एवं बेकन, इंक, सिडनी, (1983)
6 माथुर, एस0 एस0 : एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन प्रिंसिपल्स एण्ड प्रैक्टिसेसण
7 भट्ट, बी0 डी0 एवं शर्मा, एस0 डी0 : एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, कनिष्क पब्लिशर्स हाउस बुक लिंक कारपोरेशन, हैदराबाद (1992)
8 भठनागर, आर0 पी0 एवं अग्रवाल, विद्या : एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, इंटरनेशनल पब्लिशर्स हाउस, नई दिल्ली (1986),
9 राय चौधरी, नमिता मैनेजमेन्ट इन एजुकेशन, ए0 पी0, नई दिल्ली, (1992)

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर
षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र
विशिष्ट बालकों की शिक्षा

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 विशिष्ट बालक एवं उनके विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता को समझ सकेंगे ।
2 विकलांगों की समस्याओं को समझ सकेंगे ।
3 पूर्ण बधिर एवं मूक बालकों के लिए विशिष्ट शिक्षा व्यवस्था हेतु सुझााव दे सकेंगे ।
4 वंचितों की स्थिति एवं वंचन के कारणों का विश्लेषण कर सकेंगे ।
5 भारत एवं विश्व में मानसिक विकलांगता से ग्रस्त बालकों के लिए दी जा रही सुविधाओं का मूल्याकंन कर सकेंगे ।
6 विशिष्ट बालकों की शिक्षा हेतु अध्ययन सामग्री का निर्माण कर सकेंगे ।

इकाई 1 अ. विशिष्ट बालक – अर्थ, प्रकार, विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता, उपयोगिता एवं महत्व ।

ब. विकलांग बालक – विकलांगता का अर्थ, विकलांगों की समायोजन समस्यायें, भौतिक एवं

सामाजिक सुविधायें, विशिष्ट शिक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि एवं विशिष्ट विद्यालय ।

इकाई 2 अ. दृष्टि दोष ग्रस्त अथवा सम्पूर्ण रूप से दृष्टिविहीन बालकः– दृष्टि दोष का अर्थ, पहचान, समायोजन समस्या, विशिष्ट माध्यम, समाज की मुख्य धारा में इन्हें जोड़ने के सन्दर्भ में शिक्षण व्यवस्था तथा प्रयास।

ब. पूर्ण बधिर अथवा अर्धबधिर बालकः– बधिर का अर्थ, पहचान, समायोजन समस्या, विशिष्ट

शिक्षा–व्यवस्था, पाठ्यक्रम, अलग विद्यालय, शिक्षण विधि, शिक्षा का माध्यम तथा समाज की

मुख्य धारा में इन्हें जोड़ने के सन्दर्भ में शिक्षण व्यवस्था तथा प्रयास ।

इकाई 3 अ. हकलाना या पूर्ण रूप से मूक बालकः– अर्थ, पहचान, समायोजन समस्या, विशिष्ट शिक्षण व्यवस्था, पाठ्यक्रम, अलग विद्यालय, शिक्षण विधि, शिक्षण माध्यम तथा समाज की मुख्य धारा में उन्हें जोड़ने के सन्दर्भ में शिक्षण व्यवस्था तथा प्रयास।

ब. वंचित बालक एवं उनकी शिक्षा :– वंचित बालक– वंचन का अर्थ, प्रकार, आधुनिक सामाजिक

सन्दर्भ में वंचितों की स्थिति, कारण–बौद्धिक, संवेगात्मक, निष्पत्ति, व्यक्तित्व पर वंचन का

प्रभाव, वंचितों को समाज में पुनः स्थापित करने में शिक्षा एवं शिक्षक की भूमिका, शिक्षा में

अपव्यय एवं अवरोधन एवं सुविधा वंचित बालक, कारण, निवारण, विभिन्न मनोवैज्ञानिक

विद्यालयों की स्थापना की आवश्यकता, विशिष्ट शिक्षा व्यवस्था ।

इकाई 4 अ. मानसिक न्यूनता– अर्थ, पहचान, मानसिक न्यूनता से ग्रस्त बालकों के प्रकार, शिक्षा प्राप्त करने योग्य मानसिक विकलांग, प्रशिक्षण योग्य मानसिक विकलांग एवं अभिरक्षणीय, संवेगात्मक संतुष्टि के सन्दर्भ में शिक्षा व्यवस्था, उपचारात्मक शिक्षण एवं विशिष्ट पाठ्यक्रम का निर्माण, समाज में इनके पुनर्स्थापन में शिक्षा एवं शिक्षक की भूमिका ।

ब. भारत एवं विश्व में मानसिक विकलांगता से ग्रस्त बालको के लिए दी जाने वाली सुविधायें, मानसिक विकलांगता एवं रोजगारपरक शिक्षा व्यवस्था, विशिष्ट विद्यालय, स्वरूप, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि तथा इन विद्यालयों की भूमिका ।

प्रयोगात्मक कार्य :

निम्नलिखित में से किन्ही एक श्रेणी के बालकों का व्यष्टि अध्ययन :

1. विशिष्ट बालकों की किसी एक श्रेणी के लिए विशिष्ट अध्ययन सामग्री का निर्माण।
2. विशिष्ट बालकों की शिक्षा के लिए प्रयुक्त उपकरण एवं शिक्षात्मक साधन।
3. विकलांगता की मात्रा की पहचान हेतु उपयुक्त मूल्यांकन प्रविधि में दक्षता।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 कौशिक, ब्रा0 ना0 : विकलांग शिक्षा सिंधु, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

2 पाल, जे0एल0 एण्ड कर्टन, एम0 : फाउण्डेशन ऑफ स्पेशल एजुकेशन, इण्टरनेशनल थॉमशन पब्लिशिंग कंपनी, फ्लोरिडा।

3 पंडा, के0 सी0 : एजुकेशन ऑफ एक्सेप्शनल चिल्ड्रेन, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

4 जोसेफ, आर0 ए0 : पुनर्वास के आयाम, समाकलन प्रकाशन, वाराणसी।

5 बहुगुणा, एस0 पी0 : हैण्डबुक फॉर टीचर्स ऑफ विजुवली हैण्डिकैप्ड, एन0आई0वी0एच0, देहरादून।

6 राम, प्रेमशंकर : विशिष्ट बालक, आलोक प्रकाशन, लखनऊ।

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र

दूरस्थ शिक्षा

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1. दूरस्थ शिक्षा के सम्प्रत्यय एवं इसकी भारत एवं विदेशों में प्रासंगिकता से अवगत हो सकेंगे।
2. दूरस्थ शिक्षा में विद्यार्थी एवं शिक्षक के स्वरुप, दायित्व एवं उनसे सम्बंधित विभिन्न समस्याओं को समझ सकेंगे।
3 दूरस्थ शिक्षा में प्रयुक्त विभिन्न माध्यमों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
4 दूरस्थ शिक्षा में आत्म अनुदेशित पाठ्य सामग्री के निर्माण की प्रक्रिया को जान सकेंगे।
5 दूरस्थ शिक्षा के संगठनात्मक स्वरूप का मूल्याकंन कर सकेंगे।
6 दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे शोधों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1 अ. दूरस्थ शिक्षा– सम्प्रत्यय, आवश्यकता अध्ययन क्षेत्र एवं वर्तमान शैक्षिक सन्दर्भ में इसकी प्रासंगिकता। दूरस्थ शिक्षा का भारत में विकास एवं वर्तमान स्थिति एवं अन्य देशों यथा – चीन, कनाडा, इग्लैण्ड अमेरिका एवं फ्रांस में इसकी स्थिति ।

ब. दूरस्थ शिक्षा का दार्शनिक आधार– माइकल मूर, चार्ल्स बेडेमेयर, होमबर्ग एवं पीटर्स का सिद्धान्त एवं उसका शैक्षिक निहितार्थ ।

इकाई 2 अ. दूरस्थ शिक्षाएवं शिक्षक : स्वरूप, दायित्व, योग्यता, समस्याएँ एवं प्रशिक्षण।

ब. दूरस्थ शिक्षा एवं विद्यार्थीः स्वरूप, विशेषताएँ, विद्यार्थी सहायता सेवायें एवं दूरस्थ शिक्षा की प्रकृति की दृष्टि से उसका प्रासंगौचित्य।

इकाइ 3 अ. दूरस्थ शिक्षा एवं माध्यम– मुद्रित एवं अमुद्रित माध्यम दूरस्थ शिक्षा मे इनका उपयोग, मुद्रित सामग्री – निर्माण की प्रक्रिया, अपेक्षित सावधानियॉ,

ब. दूरस्थ शिक्षा का संगठनः स्वरूप, क्षेत्रीय एवं स्थानीय अध्ययन केन्द्र – स्वरूप, कार्यविधि एवं प्रासंगिकता ।

इकाई 4 अ. दूरस्थ शिक्षा में मूल्यांकन की अवधारणा – विभिन्न प्रविधियॉ एवं उनका मूल्याकंन में अनुप्रयोग

ब. दूरस्थ शिक्षा में शोघ, वर्तमान स्थिति,एवं भविष्य में शोध के प्रमुख बिन्दु ।

प्रयोगात्मक कार्य

1 किसी दूरस्थ शिक्षा के अध्ययन केन्द्र का व्यष्टि अध्ययन एवं प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण।
2 किसी भी प्रकरण पर आत्म अनुदेशित पाठ्य सामग्री के निर्माण।
3 एक दत्तकार्य का दूरस्थ शिक्षा में प्रयुक्त मूल्याकंन प्रविधि का प्रयोग कर के मूल्याकंन।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 गुप्ता, एस0 पी0 एवं गुप्ता, अल्का : दूरस्थ शिक्षा, शारदा पुस्तक भवन, आगरा।
2 तिवारी, राघवेन्द्र : शिक्षा का नया विकल्प – दूर शिक्षा, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, मध्य–प्रदेश।
3 पाण्डेय, कल्पलता : शिक्षा के नए आयाम–दूरवर्ती शिक्षा, वाराणसी, (1981)।
4 यादव, सियाराम : दूरवर्ती शिक्षा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5 शलिनी, राज : डिस्टेंस एजुकेशन, आई0वी0वाई0 पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6 शर्मा, आर0ए0 : दूरवर्ती शिक्षा, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र
अभिक्रमित अधिगम की तकनालॉजी

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 अभिक्रमित अधिगम के ऐतिहासिक एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य को समझ सकेंगे।

2 अभिक्रमित अधिगम के विभिन्न प्रकारों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।

3 स्वामित्व अधिगम के सम्प्रत्यय को जान सकेंगे।

4 अभिक्रम लेखन कर सकेंगे।

5 अभिक्रम का मूल्यांकन कर सकेंगे।

6 अभिक्रम हेतु निकर्ष परखों की निर्माण एवं मानकीकरण कर सकेंगे।

इकाई 1 अ. अभिक्रमित अधिगम – अर्थ, उत्पत्ति, सिद्धान्त, भ्रांतियाँ, एवं भविष्य।

ब. अभिक्रमित अधिगम का ऐतिहासिक एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य– थार्नडाइक का सम्बन्धबाद एवं

क्रिया प्रसूत अनुवन्धन – अभिक्रमित अधिगम से इनका सम्बन्ध।

इकाई 2 अ. अभिक्रमित अधिगम के प्रकार – रेखीय अभिक्रम, शाखीय अभिक्रम एवं श्रृंखलित अभिक्रम –

बुनियादी मान्यताएं एवं इनके उदाहरण।

ब. अवरोही अभिक्रम – विशेषताएँ, मान्यताएँ, सोपान एवं उदाहरण।

इकाई 3 अ. स्वामित्व अधिगम, तात्पर्य, सोपान, उदाहरण एवं विलक्षणता, शिक्षण यन्त्र तात्पर्य एवं विशेषताएँ।

ब. अभिक्रम का नियोजन – प्रकरण का चुनाव, विषय – वस्तु विश्लेषण, व्यवहारपरक उद्देश्यों से तात्पर्य एवं उनके उदाहरण, निकष परख की निर्माण विधि।

इकाई 4 अ. अभिक्रम लेखन–अभिक्रम के संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक तत्व, पदों (फ्रेम्स) के प्रकार, प्राथमिक लेपन (प्राइमिंग) तथा अनुबोधक (प्राम्पटिंग) एवं अनुबोधकों के प्रकार, पदों को अनुक्रमित करनाः तार्किक एवं इन्द्रियानुभविक अनुक्रम, अभिक्रम का सम्पादन एवं संशोधन, संपादन के प्रकार।

ब. अभिक्रम का परीक्षण एवं मूल्यांकन – व्यक्तिगत, लघु समूह एवं क्षेत्र परीक्षण, अभिक्रम का त्रुटिदर, सूचना घनत्व एवं 90/90 मानक दर ।

प्रायोगिक कार्यः

किसी विषय से सम्बन्धित शीर्षक पर रेखीय अथवा शाखीय शैली में अभिक्रम प्रस्तुत करना। इस अभिक्रम में अन्त्य (टर्मिनल) व्यवहार का उल्लेख, उद्देश्यों का व्यवहारपरक (संक्रियात्मक) ढंग से निरूपण, अभिक्रम का कम से कम 100–150 पदों में प्रस्तुतीकरण एवं उससे सम्बन्धित "निकष परख" निर्मित करना ।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 पाण्डेय, के0 पी0 : अभिक्रमित अधिगम की तकनालॉजी, अमिताश प्रकाशन, तृतीय संस्करण, 1985.

2 पाण्डेय, के0 पी0 : ए फर्स्ट कोर्स इन इन्स्ट्रक्शन टेक्नालॉजी, अमिताभ प्रकाशन, तृतीय संस्करण, 1985.

3 प्रेक्टिकल प्रोग्रामिंगः पीटर पाइप, राइनहार्ट एण्ड विन्सटन, 1965.

4 फ्राई, एडवर्ड बी0 : टीचिंग मशीन एण्ड प्रोग्राम्ड इन्स्ट्रक्शन इन इन्ट्रोडक्शन, मेग्राहिल, 1963.

5 ब्रथोअर, डेल0 एन0 : प्रोग्राम्ड इन्स्ट्रक्शन–मेनुवल आफ प्रोग्रामिंग टेक्नीक्स, एजुकेशन मेथड्स, शिकागो,1963.

6 मार्वल, सुशन एम0 : गुड फ्रेन्ड्स एण्ड बेड, जॉन विली एण्ड सन्स, 1969.

7 मेगर, राबर्ट : प्रिपेयरिंग इन्स्ट्रक्शनल आब्जेक्टिव फार प्रोग्राम्ड इन्स्ट्रक्शन, पीरान पब्लिशर्स, 1962.

8 लिसाट, रोम पी तथा विलियम्स, क्लेरेन्स एम0 : ए गाइड टू प्रोग्राम्ड इन्स्ट्रक्शन जॉन बिली एण्ड सन्स,1962.

9 होन्ट, ए0 एवं ग्रीन, जे0 : द लर्निंग प्रासेस एण्ड प्रोग्राम्ड इन्स्ट्रक्शन राईनहार्ट एण्ड विन्सटन, 1962.

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र

कम्प्यूटर सह–अधिगम एवं शिक्षण

उद्देश्य इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 भाषा तथा अन्य विषयों के शिक्षण–अधिगम में कम्प्यूटर की उपयोगिता को जान सकेंगे।
2 कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर से सम्बंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3 इन्टरनेट की उपयोगिता एवं क्रिया प्रणाली को समझ सकेंगे।
4 कम्प्यूटर के लिये अभिक्रम का निमार्ण कर सकेंगे।
5 सूचना प्राद्योगिकी के क्षेत्र एवं अधुनातन प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
6 कम्प्यूटर अधिगम के क्षेत्र में किये जा रहे शोधों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई 1 अ. भाषा तथा अन्य विषयों के शिक्षण–अधिगम में कम्प्यूटर की भूमिकाः अधिगम पर्यावरण में कम्प्यूटर की भूमिका, कम्प्यूटर सहअनुदेशन का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य तथा उसका सामाजिक, शैक्षिक एवं प्राविधिक निहितार्थ, भारतीय विद्यालयों में कम्प्यूटर ।

ब. माइक्रो कम्प्यूटर : अदा (इनपुट) तथा प्रदा (आउटपुट) प्रविधियाँ, कम्प्यूटर पेरीफेरल्स (वाह्यतन्त्र)

इकाई 2 अ. कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर – उपयोगी साफ्टवेयर का परिचय, आपरेटिंग सिस्टम और कम्प्यूटर सम्बन्धी उपयोगी भाषा।

ब. इन्टरनेट की अवधारणा, मल्टी मीडिया तथा ग्राफिक्स के बारे में सामान्य जानकारी।

इकाई 3 अ. सूचना प्रद्यौगिकी एवं शिक्षा।

ब. कम्प्यूटर की शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगिता, कम्प्यूटर साफ्टवेयर निर्माण विधि, योजना अभिकल्प, परियोजना को अभिकल्पित करना, उसका कार्यान्यवन एवं मानिटरिंग।

इकाई 4 अ. कम्प्यूटर सह–अनुदेशन के क्षेत्र में अपेक्षित शोध की दशाएँ : शोध की रूपरेखा निर्मित करना।

ब. कम्प्यूटर पर आधारित अधिगम पैकेज विज्ञान तथा उसका मूल्यांकन, पुस्तकालय व्यवस्था तथा विद्यालयों में कम्प्यूटर की व्यवस्था हेतु अपेक्षित सावधानियॉ ।

प्रयोगात्मक कार्य

1. कम्प्यूटर के लिये अभिक्रम निर्मित करना।
2. कुछ चुने हुए विषयों में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग करते हुए पांच से दस पाठों का शिक्षण ।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 ऐडी, एस0 : फण्डामेण्टल्स ऑफ कम्प्यूटर साइंस।
2 चौहान, एस0एस0 : इनोवेशन्स इन टीचिंग लर्निंग प्रोसेस, विकास पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3 धर्मा, ओ0 पी0 एवं भटनागर, ओ0 पी0 : एजुकेशन एण्ड कम्युनिकेशन फॉर डेवेलपमेण्ट, ऑक्सफोर्ड एण्ड जे0बी0एच0।
4 सिन्हा, पी0 के0 : कम्प्यूटर फण्डामेण्टल्स।

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

षष्ठ एवं सप्तम प्रश्नपत्र
मूल्य एवं शान्ति शिक्षा

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

1 मूल्य के सम्प्रत्यय एवं उसकी विभिन्न श्रेणियों को समझ सकेंगे।
2 शान्ति की प्रकृति, महत्व एवं द्वन्दों के समाधान की विभिन्न विधियों को जान सकेंगे।
3 शान्ति से सम्बंधित मूल्यों के संवर्द्धन हेतु विभिन्न प्रविधियों का प्रयोग कर सकेंगे।
4 शान्ति से सम्बंधित मूल्यों के संवर्द्धन हेतु विभिन्न अभिकरणों यथा – गृह, विद्यालय एवं समुदाय की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
5 शान्ति शिक्षा की प्रकृति, उद्देश्य एवं प्रासंगिकता को समझ सकेंगे ।
6 मूल्य शिक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण में इसकी प्रासंगिकता को जान सकेंगे।

इकाई 1 अ. शान्ति : अर्थ, प्रकृति एवं वर्तमान वैश्विक संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता , शान्ति के विभिन्न स्रोत : दार्शनिक, धार्मिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक ।

ब. शान्ति का वर्गीकरण : सकारात्मक एवं नकारात्मक शान्ति –सम्प्रत्यय, विशेषताएँ, नकारात्मक शान्ति को कम करने के उपाय एवं इस क्षेत्र में भारतीय चिन्तकों का योगदान।

स. शान्ति संवर्द्धन में विभिन्न संगठनों यथा– यूनेस्को की भूमिका।

इकाई 2 अ. मूल्य : अर्थ, प्रकृति एवं वर्तमान वैश्विक संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता।

ब. मूल्यों का वर्गीकरण।

स. मूल्यों के विकास में परिवार, विद्यालय एवं समुदाय की भूमिका।

इकाई 3 अ. शान्ति शिक्षा –अर्थ, उद्देश्य विषय क्षेत्र एवं प्रासंगिकता।

ब. शान्ति शिक्षाके लिए प्रयुक्त विधियाँ।

स. शान्ति शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे शोध – वर्तमान स्थिति एवं सुझाव।

इकाई 4 अ. मूल्य शिक्षा –तात्पर्य,स्वरुप, उद्देश्य ,विषय क्षेत्र एवं प्रासंगिकता ।

ब. मूल्य शिक्षा एवं मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य एवं शिक्षक की भूमिका।

स. मूल्य शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे शोध – वर्तमान स्थिति एवं सुझाव।

प्रयोगात्मक कार्यः

1 शिक्षकों में मूल्यों के संवर्द्धन हेतु एक परियोजना का निर्माण ।
2 शान्ति से सम्बंधित मूल्यो के मापन हेतु एक परीक्षण का निर्माण।
3 आपसी द्वन्दों को सुलझाने के लिए प्रयुक्त विधि का प्रशिक्षण एवं तदनुरुप प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण।

अध्ययन ग्रन्थ :

1 अग्रवाल, जे0 सी0 : टीचर एण्ड वैल्यू एजुकेशन इन ए डेवलपिंग सोसाइटी, नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाउस, 1993।

2 गावण्डे, इ0 एन0 : वैल्यू ओरियेन्टेड एजुकेशन (विजन फार बेटरलिविंग), सरुप एण्ड संस, नई दिल्ली,1995।

3 चक्रवर्ती : मो0 वैल्यू एजुकेशन : चेंजिग पर्सपेक्टिव, कनिष्क पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, 1997।

4 गुप्ता, एन0 एल0 : ए सर्च फॉर ह्यूमन वैल्यूज, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली, 2001।

5 जॉयस, रामा : एम0 ह्यूमन राइट्स एण्ड इण्डियन वैल्यूज, नेशनल काउसिलं फॉर टीचर एजुकेशन, नई दिल्ली, 1997।

6 जैकब : म0 रिर्सोस बुक फॉर वैल्यू एजुकेशन, इन्सिटीट्यूट ऑफ वैल्यू एजुकेशन, नई दिल्ली 2002।

7 ढोलकिया, आर0 पी0 : इंटरनेशनल ह्यूमन वैल्यूज एण्ड वर्ल्ड रिलीजन्स, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, 2001।

8 फीदर, नार्मन : टी0 वैल्यूज इन एजुकेशन एण्ड सोसाइटी, द फ्री प्रेस न्यूयाक्र, लन्दन, 1975।

9 राजपूत, जे0 एस0 : (संकलन) सिम्फनी ऑफ ह्यूमन वैल्यूज इन एजुकेशन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, 2001।

10 गाँधी, के0 एल0 : वैल्यू एजुकेशन, नई दिल्ली, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, 1993।

एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर

अष्टम प्रश्नपत्र
लघुशोध प्रबंध एवं मौखिकी

Faculty of Education

Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith
Varanasi

Department of Education

Rules & Regulations
M. Ed.
(Semester Syllabus in English)

Session
2013 - 14

1. In M.Ed. course there will be eight papers. This programme may be offered on semester basis in one session. For passing it will be essential to score 36% marks in each paper along with 40% marks in total. For securing second division it will be required to score more than 48% and less than 60% marks. For securing first division it will be required to score 60% or more than 60% marks.
2. Details of the papers is as follows:

First Semester

First Paper	**:** Philosophical & Sociological foundations of Education	100
Second Paper	**:** Educational Research & Statistics	100
Third Paper	**:** Technology of Teaching Behaviour	50
Fourth Paper	**:** Practical work Unit test & Viva-Voce	50

Practical Work –

1. Supervision of 10 practice teaching lessons of B.Ed. students in school 10
2. Construction of at least 10 matrix by using any one systematic observation method of teaching viz FIACS, RCS and ETCS 10
3. Unit test and Viva-Voce 30

Evaluation of practical Works and Viva-Voce will be conducted by internal and external examiners.

Second Semester

Fifth Paper : Psychological Foundation of Education 100

Sixth & Seventh Papers : Any two optional papers should be selected out of the following papers:

(i)	Comparative Education	100
(ii)	Guidance and Counselling in Education	100
(iii)	Educational Management and Administration	100
(iv)	Education for special children	100
(v)	Distance Education	100
(vi)	Technology of Programmed Learning	100
(vii)	Computer -Assisted Learning and Teaching	100
(viii)	Value and Peace Education	100

Eighth Paper : Dissertation and Viva-Voce 100

3. The Head of Department can implement this syllabus in the respective department as per convenience for the students who have secured admission on regular basis.

4. Admission to the M.Ed. course will be given on the basis of marks secured in the entrance test organized by the university or merit index according to Government ordinance.

5. M.Ed. course will be completed in one session (two semester).

6. The Head of Department with the help of the departmental committee will decide about the eligibility of the students to appear in the examination. Each student must obtain 75% of attendance in order to be eligible to appear in the examination. In order to maintain the expected quality of the course, a committee will be formed by the Vice Chancellor in convener ship of the Head of Department whose recommendations will be implemented from time to time.

7. Evaluation of Dissertation and Viva-Voce will be conducted by internal and external examiners. Viva-voce will be based on dissertation.

8. Dissertation work will start towards in the middle of the first semester.

M.Ed. First Semester

(First Paper)
Philosophical and Sociological foundation of Education

Objectives – After studying this paper, students will be able to –

1. Understand the importance of Educational Philosophy and relation between Philosophy and Education.
2. Discriminate among different branches of western philosophy.
3. Explain the different branches of Indian & Western philosophy.
4. Understand the modern trends of Education.
5. Evaluate the role of Education in social change.
6. Analyse the economics of Education.

Part – 1
Philosophical Foundation of Education

Unit 1-

A. Relation between education and philosophy, Importance of Educational philosophy, meaning and objectives of Education in different political systems, Branches of western philosophy: Idealism, Naturalism, Realism, Pragmatism, Existentialism and their educational objectives, curriculum, methods of teaching and discipline.

B. Branches of Indian philosophy – Sankhya, Vedanta and Buddhist – Basic principles and their Educational implications, Modern Indian Educational philosophers- Mahatma Gandhi, Tagore, Shri Aurovindo and Swami Vivekanand, their propounded principles and applications.

Unit 2-

A. National values, education and human rights in Indian constitution.

B. Modern trends and Educational innovation in Education.

Part – 2
Socialogical Foundation of Education

Unit 3-

A. Scope and meaning of Sociology, Relation between Sociology and Education, Sociology of Education- modern and new concepts: meaning, scope, nature and importance. Sociological approach and education, concept of socialization, Education, family and community in special reference to Indian society.

B. Social system and education: Education and social change: concept of social change, determining factors of social change, role of education, social control and education, social mobility- meaning, kinds, relation with education and their importance.

Unit 4-

A. Concept of tradition and modernization in reference to education: modernization and education- meaning and importance. Education religion and culture: concept, relation and their importance.

Education and Politics : Democracy - meaning, objectives and the role of education in development. Equality of educational opportunity: concept, factors determining opportunities and efforts made by the government. Education for future.

B. Economics of education: concept and development, education and economic development, concept of education as an investment.
Need of education related to national human power. Educational planning : meaning, kinds and need.

Reference Books :

1. Baker, Jhon L : Modern philosophy of education, Tata Mc Graw- Hill's, 1980.
2. Bigge, Morris L: Positive relativism: An Emergent education philosophy, Harper row, 1971.
3. Dubey, Mukund : Indian Society: challenges if equality : Integration and empowerment, Anand Publication, New Delhi 1995.
4. Nellar, Jeorge F : Introduction of philosophy a education: Jhon willy and sons, 1971.
5. Ottaway, A.K.C. : Education and Society, London Roultedge,1962.
6. Pandey K.P. : Perspectives in social foundation of education. Shipra Publication Delhi 1988.
7. Pandey Ramshakal : Teacher in Developing Indian Society, Vinod Pustak Mandir, Agra 2006.
8. Singh, Baljeet: Education an Investment, Meenakshy Publication, Meerut 1984.
9. Taneja, B.R. : Socio-Philosophical approach to education, Atlantic Publication Delhi, 1979.
10. Verma M : Philosophy of Indian Education, Meenakshy publication, Meerut 1989.

M.Ed. First Semester

(Second Paper)
Educational Research and Statistics

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1. Know the meaning and scope of educational research.
2. Differentiate among fundamental, applied and action research.
3. Know different methods used in Educational research.
4. Understand the procedure of educational research.
5. Use important tools for collection of data in educational research.
6. Use statistical techniques for the analysis and interpretation of data.

Section - A

Unit 1-

A. Meaning of educational research, scope, various forms of educational research- Fundamental, Applied and Action research: difference among them on the basis of objectives, nature of problem, method and utility of research result.

B. Methods of educational research – Historical, Descriptive survey, experimental, ex-post facto and case study: procedures and needed precautions, Qualitative research.

C. Procedure of educational research-
   (I) Problem of research – Selection of problem, Definition and Delimitation.
   (II) Formulation of hypothesis – Procedure, source and characteristics of a good hypothesis.
   (III) Hypothesis testing.
   (IV) Formulation of generalization and conclusion.

Unit 2-

A. Determination of population and sampling technique in educational research – Meaning of population in research, needs of sample, characteristics of a good sample, Probability and Non-probability sampling methods: procedure and limitation.

B. Tools of educational research – Characteristics of research tool, its method of use and requisite precautions, Questionnaires, Interview, Observation, Rating scale, Tests, Sociometric technique.

C. (I) Research report – Format and Process of research report writing.
   (II) Preparation of research synopsis – Format and precautions.

Section - B

Unit 3-

A. .
   - ❖ Measures of central tendency – Mean, Median and Mode and their uses.
   - ❖ Measures of Variability – Range, Mean – deviation, Standard – deviation, Quartile – deviation and their uses.
   - ❖ Utility and methods for calculating percentile and percentile rank.

B. Graphical representation of scores.

C. Correlation – Meaning of Correlation, calculation and interpretation of coefficient of correlation by Spearman and Carl pearson's methods, Partial correlation and Multiple correlation.

Unit 4-

A. Properties and application of Normal probability curve.
B. Reliability of statistics of estimation and Inference: significance of mean, testing the significance of differences between two means, Directional and Non-directional tests, Types of errors.
   Analysis of Variance: Assumptions underlying and method of computing one way Analysis of Variance.
C. Chi-square and Contingency coefficient: calculation and application.

Reference Books :

1. Best, John W. : Research in Education, Prentice Hall Incorporation, 1993.
2. Corey, Stephen M. Action Research to Improve School Practices, Burean of Publication, Teachers college, Columbia University, New York, 1953.
3. Ferguson, G.A. : Statistical Analysis in Psychology and Education, McGraw Hill Book company, New York, 1981.
4. Garrett, H.E. : Statistics in Psychology and Education, Vakis Feffers and Simons, Pvt. Ltd. Bombay, 1981.
5. Guilford, J.P. : Fundamental of statistics in Psychology and Education, McGraw Hill Book company, New York.
6. Kerlinger, Fred N. : Foundation of Behavioural Research, Surjeet Publication, 7 K Kolhapur Road, Kamala Nagar, Delhi, 1983.
7. Koul, Lokesh : Methodology of Educational Research, Vikash Publishing House PVT. Ltd. New Delhi, 1990.
8. Pandey, K.P. : Fundamentals of Educational Research; Vishwavidyalaya Prakashan, Varanasi, 2005.
9. Sharma, R.A. : Fundamentals of Educational Research; Loyal Book Depot, Meerut, 1993.
10. Travers, M.W. : An Introduction to Educational Research, The MacMillian Company, New York, 1961.
11. Tuckman, Bruce W. : Conducting Educational Research, New York, Harcourt Bruce, 1978.
12. Verma M. : An Introduction to Educational and Psychological Research, Asia Publishing House.

M.Ed. First Semester

(Third Paper)
Technology of Teaching Behaviour

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1. Understand the meaning of Educational Technology, contemporary trends and different types.
2. Analyse the Teaching-Learning Relationship and different stages of Teaching and its operations.
3. Differentiate among the different types of learning.
4. Explain the different models of teaching.
5. Utilise the different approaches of Teaching Communication.
6. Understand the Teaching Behaviour and different techniques of its modification.
7. Write and evaluate the program according to the Programmed Instruction.

Unit 1-

A. Educational Technology: Meaning, Scope and Modern trends, Behavioural Technology, Instructional Technology, Teaching Technology, Instructional Design-Nature and Scope.
B. Teaching-Learning Relationship: Types of Teaching, stages of Teaching and its operations.
C. Levels of Teaching: Memory Level, Understanding Level, Reflective Level-Nature, related theories, Teaching and testing methods.

Unit 2-

A. Steps underlying in teaching of skill, verbal knowledge, concept, rule and problem - solving learning.
B. Models of Teaching: Concept, need and important elements, classification of Teaching Models, Some selected models of teaching – Basic Teaching Model, School Learning Model, Concept Attainment Model and Inquiry Training Model-elements, characteristics and implications for teacher.

Unit 3-

A. Concept of Teaching Behaviour: characteristics and nature, systematic form of class-room behaviour, strategies and techniques,
B. Methods of Modification of Teaching Behaviour: Micro-Teaching, Simulated Teaching-concept and application.
C. Systematic observation of Teaching: Flanders' Interaction Analysis Categories System (FIACS), Reciprocal category system (RCS) and Equivalent Talk category system (ETCS).

Unit 4-

A. Communication and teaching : structure, theories, types, process, and classification of communication medium.
B. Programmed Instruction: Origin, concept and Types - Linear, Branching and Mathetics, Development of program, Writing and evaluation of programe, Computer - Assisted Instruction in Teaching, e-learning and virtual class room.

Practical work –

Construction of Teaching Plan on the basis of any one Teaching Model and at least 10 interaction matrix by using any one systematic observation method.

Reference books :

1. Agrawal, J.C. : Experiences of Educational Technology, Teaching lerning innovation in Education. Vikash Publishing PVT Ltd. New Delhi.
2. Dececco, John P. : Educational Technology : Reading Programmed Instruction, Hall, New Delhi, 1964.
3. Flanders, Ned A : Analyzing Teaching Behaviour, Addison-Wesley Publishing Company,California, London 1972.
4. Joyee, Bruce and Marsha Weil : Models of Teaching, Prentice Hall Inc, Englowood cliffs, N.J. 1972.
5. Pandey, K.P.: Dynamics of Teaching Behavior, Amitash Prakashan, Ghaziabad.
6. Pandey, K.P.: Modern concepts of teaching behavior, Vishwavidyalaya Prakashan, Varanasi.
7. Sharma, R.A.: Educational Technology, International Publishing House, Meerut, 1996.
8. Sharma, R.A.: Technology of Teaching, International Publishing House, Meerut, 1988.
9. Skinner, B.F. : The Technology of Teaching, Meredith Corporation, New York, 1968.

M.Ed. First Semester

Fourth Paper
Practical work Unit test & Viva-Voce

Practical Work –

1.	Supervision of 10 practice teaching lessons of B.Ed. students in school	10
2.	Construction of at least 10 matrix by using any one systematic observation method of teaching viz FIACS, RCS and ETCS	10
3.	Unit test and Viva-Voce	30

Evaluation of practical Works and Viva-Voce will be conducted by internal and external examiners.

M.Ed. Second Semester

Fifth Paper
Psychological Foundation of Education

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1. Understand the meaning, scope, its Indian & Western concept and its relevance for the teacher.
2. Differentiate among different theories of learning.
3. Identify the changes which occur in different stages of development and also able to identify the different theories of development.
4. Understand the concepts of motivation and adjustment and its educational implication.
5. Explain the concept of personality & its different theories.
6. Know the concept of intelligence, its different theories and emotional intelligence.
7. Identify exceptional children and to get information about their educational provision and inclusive education.

Unit 1-

A. Educational Psychology: meaning, scope, Indian & Western concept, the relevance of education psychology according to the teacher.
B. Development: meaning, difference between growth & development, cognitive, social and emotional development: main characteristics & educational implication, Indian concept of development (with special reference to Sanskara.)
C. Learning: meaning, Gagne's types of learning, factor affecting learning, Transfer of learning: meaning, theory & its educational implication.

Unit 2-

A. Associative theory of learning: systematic behavior theory of Hull, main point and educational implication.
B. Cognitive theory of learning: Gestalt and Tolman's theory, main point and educational implication.

Unit 3-

A. Motivation : concept, Indian view: purushartha chatushaya (Dharma, Artha, Kaam, Moksh) & its educational implication.
B. Adjustment: Meaning , process, models of adjustment, mental conflict and defence mechanism, characteristics of well adjusted person, Mental health and hygiene , meaning, main point & educational implication.
C. Special children: Educationally backward children, Gifted and Mentally retarded child: identification and educational provision. Inclusive education – meaning, main point and educational implication, Creativity: meaning, process, identification and fostering, Problem solving: nature, process and educational implication.

Unit 4-

A. Personality : meaning, punchkoshiya development and Sata, Raja, Tam, Guna dominated personality and its educational implication, Indian concept of personality. Western concept of personality and theory - Trait-Allport and Eysenck, Psychoanalytical theory - Freud and Erickson, Humanistic theory - Maslow and Rogers, Measurement of personality
B. Intelligence: meaning, Indian (Antahkaran chatushtaya) and western concept - main point, some theory of intelligence : Guilford and Gardner's concept of intelligence : main point and educational implication, Emotional Intelligence : meaning, main point and educational implication, Individual difference : meaning, types and educational implication, Concept formation : meaning, process and educational implication.
C. Group dynamics: meaning, social process, teacher's role for making the class room environment learning oriented.

Practical works –

1. Collection and Report presentation on any concept of educational psychology from ancient Indian literature.
2. Critical analysis of any one of new theory related with the concept of personality or learning or intelligence and report presentation.

Reference Books :

1. Baron, A. Robert : Psychology; Pearson, Prentice Hall.

2. Chauhan, S.S. : Advanced Educational Psychology; Vinod Pustak Mandir, Agra.

3. Dutt, N.K. : Psychological Foundation of Education, Dowaba House .

4. Pandey, K.P. : Advanced Educational Psychology for Teachers, Amitash Prakashan, Ghaziabad .

5. Pandey, K.P. : Advanced Educational Psychology; Vishwavidyalaya Prakashan, Varanasi.

6. Pandey, Kalplata : Mother's Care and Girls Achievement; Mishra Trading

7. Prakash, Prem : Psychological Foundations of Education; Kanishka Publication, New Delhi.

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Comparative Education

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1. Know about the changes in the field of education at the world level.
2. Understand geographical, political, cultural and educational scenario of different countries.
3. Understand the necessity of education in the root of development of developed countries.
4. Know the various educational problems of the developing and developed countries.
5. Change their skill and thought by the critical study of educational administration of different countries.
6. Carry on the comparative study of the educational scenario of Britain, America, France and India.

Unit 1-

A. Comparative education : meaning, scope, development, aims and methods used in its study .
B. Factors affecting comparative education, International assistance in the development of National Education System.

Unit 2-

A. Nature, Structure and Organization of education in India and Britain.
B. Nature and problems of educational structure of primary, secondary and higher education in India and Britain.
C. Nature, Organization and Its problems of education in Britain, America, France and India.

Unit 3-

A. Educational structure and its functioning in Britain, America, France and India.
B. Implications of technical and vocational education for India.

Unit 4-

A. Educational autonomy in India, France and America.
B. Distance education in India, Britain and America and its implications for India.

Reference Books :

1. Cramer and Crown - National System of Education

2. Dent, H.C. - Education in Great Britain.

3. Kendel - New era in Education

4. Mukherji, N.N. - Education in India: Today and Tomorrow.

5. Pandey, K.P. - Comparative Education

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Guidance and Counselling in Education

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1. To understand the importance and application of guidance in their daily life.
2. To know the principles, modern trend and problems of guidance.
3. To understand different types of guidance and counseling.
4. To use different techniques of guidance and counseling for problem solving.
5. To use different psychological and evaluative techniques of guidance.
6. To understand different tools and methods of guidance and counseling.

Unit 1-

A. Guidance – concept, need, scope, basic assumptions and principles, nature and modern tendencies.
B. History of Guidance movement in Indian, suggestions related to Guidance in various education commissions.
C. Present situation and problems of Guidance in Indian context.

Unit 2-

A. Kinds of Guidance – Educational, Vocational, Personal – objectives, difference and applied techniques.
B. Organization and Administration of Guidance Programs in Schools.

Unit 3-

A. - Guidance services at various levels of education.
   - Types of Guidance services :
   1) Information service.
   2) Individual information collection
   3) Vocational information: sources, collection and broad cast.
   4) Counselling service
   5) Placement services
   6) Follow up service
   7) Research service
   8) Preparatory service
B. Counselling: concept, principle, steps, process of counselling and characteristics of a Good Counsellor.

Unit 4-

A. Tools and Techniques of Guidance, Psychological test and evaluation in guidance.
B. Evaluation of Guidance Programme - various techniques and utility of evaluation.

Practical works –

- ❖ To present report by running Counselling session of 5 students on the basis of case study for solving their problems.
- ❖ Preparation of a report by using any two tools of evaluation for guidance.

Reference Books :

1. Agrawal, J.C. : Education Vocational Guidance and Counselling, Dowaba House, New Delhi 1989.
2. Bhatia, K.K.- Principles of Guidance and Counselling, Kalyani publishers.
3. Jones, Athor J. : Principles of Guidance, MacHill Book Company Incorporation, 1963.
4. Kochhar, S.K. : Educational and Vocational Guidance in Secondary Schools, Sterling Publishers Private Limited, New Delhi 1993.
5. Moyers, Jorge E. : Principles and Techniqes of Vocational Guidance, Mac Graw Hill Company, 1971.
6. Pandey, K.P.- Educational and Vocational Guidance in India, Vishwavidyalaya Prakashan, Varanasi 2000.

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Educational Management and Administration

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1) Differentiate between various approaches of management in education.
2) Understand the functions of Educational administrator.
3) Describe the concept of organizational environment of the school.
4) Understand the concept of Educational finance and Financial administration.
5) Differentiate among the various stages of structure of Educational administration.
6) Analyse the researches in the field of Educational Administration and Management.

Unit 1-

A. Development of theories of Educational Administration and Management in Education: organization, concept of Administration and Management and their correlation, Different approaches of Management in Education.
B. Major Functions and processes of Administration and Management: Planning, Organizing, Leading, Controlling and Evaluation.

Unit 2-

A. Role and Functions of Educational administrator: Educational Leadership(Organizational limits, leadership and administration), Style of Leadership: Learning and Instruction for the purposeful development of human quality.
B. Environment and School: Organizational climate- concept and measurement.

Unit 3-

A. Educational administration at state and central level : Structure, Issues and Problems of Educational Administration in higher education.
B. Educational observation and supervision: concept, areas, theories and problems.

Unit 4-

A. Development of the concept of Educational Finance and Financial Administration in India: Brief introduction, Budget and its types.
B. Researches in the field of Educational Administration and Management.

Practical work –

- Use of questionnaire related to organizational climate.
- Case study of an assigned educational Institution.
- Study and construction of school budget.
- Assignment related to use of systems approach in Educational Management.
- Review of assigned book of Educational Administration and Management.

Reference Books :

1. Bhatnager R.P. And Agrawal Vidya (1986) Educational Administration New Delhi, International Publication House.
2. Bhatt B.D. And Sharma S.P. (1992) Educational Administration Hyderabad, Kanishk Publication House, Book Link, Corporation.
3. Chaturvedi, R.N. (1989) The Administration Of Education In India, Jaipur, Printwell Publication.
4. Goyal, S.L. (2005) Management In Education, New Delhi, A.P.H. Publication Corporation.
5. Gupta L.D. (1987) Educational Administration, Oxford and I.B.H.
6. Mathur S.S.: Educational Administration, Principles and Practices.
7. Nistred, R.O. Etal (1983) Sydey, Allen and Bacon, Iuk.
8. Oad, L.K. (1992) Educational Administration, Jaipur, Rajasthan Granth Academy.
9. Ray Choudhary, Namita (1992) Management in Education, New Delhi, A.P.H.P.

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Education for Special Children

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1) Understand special children and their special educational needs.
2) Recognize the problems of disabled children.
3) Give suggestions for arrangement of special education for completely deaf and dumb children.
4) Analyse the condition of deprived and causes of deprivation.
5) Evaluate facilities given to mentally disabled children in India and world.
6) Construct study material for education of special children.

Unit 1-

A. Special Children: Meaning and Types, Need of special education, Application & importance.
B. Disability: Meaning of disability, adjustment problems of disabled, Physical and social facilities, special education system, curriculum, teaching methods and special schools.

Unit 2-

A. Visually Impaired and Blind children – Meaning of visual impairment, Identification, adjustment problems, special medium, Teaching arrangements or approaches and efforts to mainstreaming them into society.
B. Deaf or hearing impaired children: Meaning of hearing impaired, identification, adjustment problems, Special educational approaches, curriculum, separate school, Teaching method, Educational medium, Teaching arrangements and efforts for rehabilitation.

Unit 3-

A. Speech disorders and totally dumb children : Meaning, Identification, Adjustment problems, Special Teaching adaptations, curriculum, separate school, Teaching method, Teaching medium, Teaching strategy and efforts for mainstreaming them into society.
B. Deprived children and their education. Deprived child- Meaning of deprivation, types, condition of deprived in modern social context, causes, impact of deprivation on intellectual, emotional, achievement and personality, role of education and teacher in resettlement of deprived in society, wastage and stagnation, Facility deprived children, causes, intervention, necessity to build different Psychological schools, special educational arrangement.

Unit 4-

A. Mental Retardation: Meaning, Identification, Types of children suffering from mental retardation, educable, mentally, severely or profoundly retarded children, Educational arrangements in context of emotional satisfaction, remedial Teaching and construction of special curriculum, Role of Education and educators in rehabilitation of them in society.
B. Facilities given to retarded children in India and world, Mental handicap and employment based educational arrangements, curriculum, Teaching method and role of special schools.

Practical works –

- ❖ Case study of children belonging to any one special category among the following. Visual Impairment, Hearing Impairment, Mental Retardation and orthopedic disable.
- ❖ Construction of special educational material for special children belonging to any one category.
- ❖ Knowledge about tools and educational means for educating special child.
- ❖ Evaluation techniques for assessment of disabled.

Reference Books :

1. Bahuguna, S. P. (1992) - Handbook for Teachers of Visually Handicapped NIVH, Delhi.
2. Dash, M. (1997) - Education of Exceptional Children, Atlantic publishers, New Delhi.
3. Kundu, C.L. (2003) - Status of disability in India, R.C.I., New Delhi.
4. Panda, K.C. (1997) - Education of Exceptional Children, Vikas Publishing House, New Delhi.
5. Paul, J. L. & churton M. (1997) - Foundations of Special Education, International Thomson Publishing Company, Florida.
6. Punani, Bhushan & Rawal, Nandini, Visual Impairment Hand book, Blind's People Association, Gujrat.
7. Rath, K.B. - Exceptional Children, R.I, Ajmer, Rajasthan.
8. Rathore, H.C.S. (1990) - Integrated Education for Visually Impaired Children, Shree Ram Prakashan, Varanasi.
9. Venkateish, S. (2001) - Special Education, Anmol Publication Pvt. Ltd., New Delhi.

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Distance Education

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1) Know about the concept of distance education and its relevance in India and foreign countries.
2) Understand the nature and responsibility of students and teachers and related problems.
3) Differentiate among various media used in distance education.
4) Know the process of self instructional materials in distance education.
5) Evaluate the organizational nature of distance education.
6) Acquaint with the researches being conducted in the field of distance education.

Unit 1-

A. Distance Education- Concept, need, scope and its relevance in the present educational context. Development of distance education in India and its present status and its status in other countries such as- China, Canada, England, America and France.
B. Philosophical foundation of distance education- Theories of Moore, Charles Vedemeyor, Holmberg and Peters and their educational implications.

Unit 2-

A. Distance Education and Teacher: nature, responsibilities, qualities, problem and training.
B. Distance Education and students: nature, characteristics, student support services and their relevance from the point of view of the nature of Distance Education.

Unit 3-

A. Distance Education and media : Print and non print media and their use in distance Education, Process of preparation of print materials and precautions needed.
B. Organization of Distance Education: nature, regional and local study center: nature, functions and its relevance.

Unit 4-

A. Concept of Evaluation in Distance Education: Various techniques and their application in evaluation.
B. Research in Distance Education: Present situation and main points of researches to be done in future.

Experimental Work-

- Case study and presentation of report of any study center of Distance Education.
- Preparation of self instructional material on any topic.
- Evaluation of one assignment using any technique used in Distance Education.

Reference Books :

1. Keegasn, D. Foundations Of Distance Education,London, Routeledge,1990.
2. Pandey, K. Shiksha Ke Naye Ayaam, Doorvasti Shiksha,1987.
3. Raj Shalim Distance Education, IVY Publishing House, New Delhi, 2004.
4. Sharma, R.A. Doorvasti Shiksha, Meerut, Surya Publication,1996.
5. Shau, P.K. Open Learning System, New Delhi, Uppal Publication,1994.
6. Gupta, S.P.& Gupta A. Doorvasti Shiksha, Allahabab, Sharada Pustak Bawan.2003.

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Technology of Programmed Learning

Objectives – After studying this paper, the students will be able to–

1) Understanding Historical & Psychological perspective of Programmed Learning.
2) Differentiate among different types of Programmed Learning.
3) Understand the concept of mastery learning.
4) Write programme.
5) Evaluate the programme.
6) Standardization and construction of criterion test for programme.

Unit 1-

A. Meaning, origin, fundamentals misconceptions and future of programmed learning.
B. Historical & psychological perspective of programmed learning. Relationship of connectionism of Thorndike & Operant conditioning with programmed learning.

Unit 2-

A. Types of Programmed Learning – characteristics, types, basic assumptions and examples of linear, branching & mathetics programme.
B. Retrogressive programme – characteristics, assumptions, steps & examples.

Unit 3-

A. Mastery Learning: Meaning, Steps, Examples and speciality. Teaching tools – Meaning & Characteristics.
B. Planning of Program- Selection of topic, analysis of content, meaning of behavioural objectives and its example, construction of criterion test.

Unit 4-

A. Programmed writing – structural & functional elements of programme, Types of frames, priming and prompting : types of prompts, Sequencing of frames: logical & empirical sequence, Editing and revision of Programme. Types of Editing.
B. Testing & Evaluation of the Programme: Individual, small group testing & Error rate through field testing of Programme, Information density and 90/90 standardised rate.

Practical works -

Contruction of a Linear & Branching style of programme on any topic, to describe the terminal Behaviour in this programme, to formulate objectives in behavioural terms, presentation of 100-150 frames in the programme and construction of criterion test related to it.

Reference Books :

1. Jain, Satish - Computer fundamentals and C++ programming.
2. Maurya, Omprakash - Basic Programming.
3. Rao, Usha - Educational Technology.
4. Sharma, R.A. - Technological Foundation of Education, Surya Publication, Meerut.
5. Vashist, S.R. - Research in Educational Technology.
6. Yadav, R.S. - An Advanced Educational Technology.

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Computer -Assisted Learning and Teaching

Objectives – After studying this paper, the students will be able to –

1) To know the utility of Computer in the Teaching-Learning of language & other subjects.
2) To get the information related to Computer hardware & software.
3) To understand the utility and functioning of internet.
4) To design a Programme for computer.
5) To know about the modern trends in the field of information technology.
6) To explain the researches done in the field of Computer Learning.

Unit 1-

A. Role of Computer in Teaching-Learning of language & other subjects: role of Computer in Learning environment, historical perspective of computer-assisted instruction and its social, educational & technological implications, computer and Indian school.
B. Micro computer, Input & Output techniques, Computer peripherals.

Unit 2-

B. Computer Hardware and Software – Introduction of useful software, operating system & computer related useful language.
C. Concept of internet, general information about the multimedia and graphics.

Unit 3-

A. Information technology and education.
B. Utility of Computer in the field of education, computer software's construction procedure, project design, its execution and monitoring.

Unit 4-

A. Status of research in the field of computer-assisted instruction, construction of research design.
B. Computer based Learning packages for science and other subjects and its evaluation, library management and desirable precautions for management of computers in schools.

Practical works -

- To develop a program for computer.
- Teaching of 5 to 10 lesson plan using computer in selected subjects.

Reference Books :

1. Addy, S.- Fundamentals of Computer Science.

2. Chauhan, S.S.- Innovations in Teaching Learning Process, Vikas publication, New Delhi.

3. Dhama, O.P, Bhatnagar, O.P- Education and Commuication for development, Oxford and JBH.

4. Sinha, P.K.- Computer Fundamentals.

M.Ed. Second Semester

Sixth & Seventh paper
Value and Peace Education

Objectives – After studying this paper, the students will be able to–

1) understand about the Concept of value and its different category.
2) understand about the nature of peace, value and different procedures of solution about the conflict.
3) use different techniques to enrich peace related value.
4) analyze different agencies like Home, School and Community for enrichment of peace related value.
5) understand about the nature of peace, objectives and relevance.
6) understand about the value education and its relevance in teacher's training.

Unit 1-

A. Peace – Meaning, nature and its relevance relating to the present global scenario, Different sources of peace: philosophical, religious, social and psychological.
B. Classification of peace- Positive and negative peace, concept, characteristics, remedy to minimize the negative peace and assistance of Indian thought in this field.
C. Role of different organizations like UNESO in peace enrichment.

Unit 2-

A. Value- Meaning, nature and its relevance in present Global scenario.
B. Classification of value.
C. Role of community, school and family in the development of value.

Unit 3-

A. Peace education – meaning, objectives, scope and its relevance.
B. Methods for peace education.
C. Ongoing researches in the field of peace education – present scenario and suggestions.

Unit 4-

A. Value education – Meaning, nature, objectives, scope and its relevance.
B. Value education, fundamental right, duty and role of teacher.
C. On going researches in the field of value education – present scenario and suggestions.

Practical work -

- Formation of plan to enrich value in teachers.
- Formation of a test for the measurement of peace related value.
- Training of the method used for solving the internal conflict and report presentation accordingly.

Reference Books :

1. Chakrabarti, Mohit - Value education.
2. Patil, V.T. - Value education and Human rights Education, Gnosis Publishers.
3. Raghuvansh, Sujata - Human Rights and Duties education, Mahaveer and Sons, New Delhi.
4. Tiwari, K.K. - Education for values.

M.Ed. Second Semester

Eighth paper

Dissertation and Viva-Voce